2401000105020521
EXAMINATION JUNE - 2025 (PURAK EXAM)
BACHELOR OF ARTS (FIFTH SEMESTER)
HINDI - XI - MADHYAYUGIN KAVITA (SURDAS - BHRAMARGEET SAAR)

[Time: As Per Schedule] **[Max. Marks: 50]**

Instructions:
1. Fill up strictly the following details on your answer book
   a. Name of the Examination : **BACHELOR OF ARTS (FIFTH SEMESTER)**
   b. Name of the Subject : **HINDI - XI - MADHYAYUGIN KAVITA (SURDAS - BHRAMARGEET SAAR)**
   c. Subject Code No : **2401000105020521**
2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.
3. Figures to the right indicate full marks of the question.
4. All questions are compulsory.

Seat No:

Student's Signature

Q.1 बहुविकल्पी प्रश्नो के उतर दीजिए । **10**

1) सूरदास का जन्म कब हुआ था ?
   (अ) सन् १४७८ (ब) सन् १४८२
   (क) सन् १५३० (ड) सन् १५५०

2) संयोगिनी के रूप में भी नारी को 'भ्रमरगीत' में रखा गया है, वह है - ?
   (अ) यशोदा (ब) कुब्जा
   (क) राधा (ड) वृध्दगोपी

3) उध्दव-गोपी संवाद से युक्त काव्य को किस काव्य परम्परा के नाम से जाना जाता है ?
   (अ) भ्रमरगीत सार (ब) भ्रमरगीत काव्य परम्परा
   (क) उध्दवशतक परम्परा (ड) कोई नहीं

4) 'भ्रमरगीत' में कौन-सा छंद है?
   (अ) षट्पदी छंद (ब) मात्रिक छंद
   (क) वर्णिक छंद (ड) लयात्मक छंद

5) भ्रमरगीत में नारी पात्र कितने है ?

(अ) दो (ब) तीन

(क) चार (ड) पाँच

Q.2 " 'भ्रमरगीत' में गोपियों की विरह वेदना की मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है ।", तर्क संगत उतर दीजिए । **13**

अथवा

'भ्रमरगीत' निर्गुण पर सगुण की विजय का काव्य है। " इस कथन की सार्थकता सिध्द कीजिए । **13**

Q.3 'भ्रमरगीत' के आधार पर उध्दव का चरित्रांकन कीजिए । **13**

अथवा

'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों की मनोदशा की चर्चा कीजिए । **13**

Q.4 **(अ) टिप्पणी लिखिए** | **7**

'भ्रमरगीत' में संवाद योजना |

अथवा

सगुण भक्ति धारा की लाक्षणिकताएँ ।

(ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **7**

ऊधो ! इतनी कहियो जाय ।
अति कृसगात भई हैं तुम बिनु बहुत दुखारी गाय ॥
जल समूह बरसत अंखियन तें हूँकत लीने नांव |
जहाँ जहाँ गोदोहन करते ढूँढ़त सोइ सोइ ठांव ॥
परित पछार खाय तेहि तेहि थल अति व्याकुल है दीन ।
माँनहुँ सूर काठि अरे हैं बारि मध्य तें मीन ॥

अथवा

संदेसनि मधुबन - कूप भरे ।
जो कौ पथिक गए हैं याँ ते फिरि नहिं अवन करे ॥
कै वै स्याम सिखाय समोधे कै वै बीच मरे ?
अपने नहिं पढ़वत नंदनंदन हमरेउ फेरि धरे ॥
मसि खूँटी कागद जल भीजे सर दव लागि जरे ।
पाती लिखै कहो क्यों करि जो पलक- कपाट अरे ? ॥

*****